क्रिति में पुकारोही- तुमको थे न्य ।।२॥ तीरे ट्यों का मुमकी यहार मिले "२॥ उमाने जीवन की वाजी- लगा दूंगा म्य ॥२॥ वेदी नाजहां का मुक्तका इराहा मिले ॥२॥ व्यान अपने अवन की----क्रिकी क्रिक्ट का - पार ना पाया के हिं।।२॥ के क्रिकी में एक नजाय मिले ""या भी क्रीं जा -निक्लिन----- अपने निक्लि छ लोग चिन्ता के त्यागर में ड्रेंचे हैं ने ।।२।। इवतीं की मेरी मार्थ किनारी मिले आहा। शी-मेरेने का -3 में हारा न था, मिलके हमा जी दिया ॥२॥ त्रीतने की मध्मीका दुबारा मिले गूर्ण शि च्हणों का-त्रीते दिख ने---- अपने जीवन की ---क्षेन माने यहाँ, कीई विलेन मिले ।।२।। अति दिल्ली ---- अपने जीवन की ----